Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to stop the move to close down schools having fewer number of students in Jharkhand and also regularize the services of eligible para teachers in the State.

श्री राम टहल चौधरी (राँची): मेरे गृह राज्य झारखण्ड में साक्षरता का स्तर अन्य राज्यों से काफी कम है, विशेषकर महिला-साक्षरता बहुत ही कम है। झारखण्ड में अधिकांश शिक्षण कार्य पारा शिक्षकों के माध्यम से किया जा रहा है। आदिवासी, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की जनसंख्या वाले पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ समय से छात्रों के अभाव में स्कूल बद किए जा रहे हैं। स्कूल बंद होने से उस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र शिक्षा सुविधा से पूरी तरह से वंचित हो जाएंगे, क्योंकि दूर स्कूल में बच्चे नहीं जाना चाहेंगे, न ही अभिभावक दूर स्कूल में अपने बच्चों को कई कारणों से भेजेंगे। शिक्षकों की कमी के कारण भी छात्र नहीं आते। एक तरफ तो भारत सरकार शिक्षा के अधिकार को लागू करने एवं देश में शत-प्रतिशत साक्षरता के कार्य में संलग्न है। माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के शासन काल में भी छात्र कम होने से स्कूल बंद किए जा रहे थे, परंतु अटल जी ने और तत्कालीन शिक्षा मंत्री माननीय श्री मुरली मनोहर जोशी जी ने एक भी स्कूल बच्चों की कमी से बंद नहीं होने दिया। इसके बावजूद कई और स्कूलों की स्थापना में सहयोग प्रदान किया गया। सभी राज्य अपने राज्यों में शिक्षा क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं और छात्रों को कई सुविधा दिला रहे हैं। न जाने क्यों झारखण्ड राज्य में छात्रों की कम संख्या को आधार बनाकर स्कूल बंद किए जा रहे हैं। इन स्कूलों, विशेषकर झारखण्ड के एस.सी., एस.टी., और ओ.बी.सी. बच्चे पढ़ते हैं। साथ ही साथ जो पारा शिक्षक स्थाई टीचर बनने की पात्रता को पूरा कर रहे हैं, उनको स्थाई किया जाए या उनका मानदेय बढ़ाया जाए।

मैं सरकार से मांग करता हूँ कि झारखण्ड में एक भी स्कूल छात्रों की कम संख्या दिखाकर बंद न किया जाए और जो पारा शिक्षक सभी मानदण्डों को पूरा करते हैं, उनको स्थाई किया जाए।